DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

26 February, 2024

कृषि व्यापार वार्ता पर जी-33 मंत्रिस्तरीय वक्तव्य

संदर्भ: *25 फरवरी, 2024 को अबू धाबी में आयोजित 13वें विश्व व्यापार संघ (WTO) के जी-33 मंत्रिस्तरीय बैठक में कृषि व्यापार वार्ता पर जी-33 मंत्रिस्तरीय वक्तव्य दिया गया।*

संयुक्त वक्तव्य:

- विश्व व्यापार संघ (WTO) के सभी सदस्यों की साझा जिम्मेदारी को स्वीकार करते हुए, जी-33 बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली की समकालीन चुनौतियों का समाधान करने की आवश्यकता को उजागर करता है।
- जी-33, 13वें डब्ल्यूटीओ मंत्रिस्तरीय सम्मेलन को डब्ल्यूटीओ; नियम-आधारित, समावेशी और पारदर्शी बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली को मजबूत करने के एक अवसर के रूप में देखता है। इस सम्मेलन की मेजबानी संयुक्त अरब अमीरात नी किया था।
- सभी डब्ल्यूटीओ सदस्यों से रचनात्मक रूप से जुड़ने का आह्वान करते हुए, जी-33 ने 13वें डब्ल्यूटीओ मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में कृषि संबंधी कार्रवाई का अनुरोध किया।
- विशेष रूप से अफ्रीका में अल्पपोषण और भुखमरी में अनुमानित वृद्धि पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए, जी-33 ने खाद्य सुरक्षा मुद्दों के समाधान की तात्कालिकता को रेखांकित किया है।
- कृषि व्यापार वार्ता में धीमी प्रगति पर खेद व्यक्त करते हुए, जी-33 डब्ल्यूटीओ के भीतर विश्वास और विश्वसनीयता के पुनर्निर्माण के लिए ठोस प्रगति करने के महत्व पर जोर देता है।
- विकासशील देशों के लिए खाद्य सुरक्षा के लिए सार्वजनिक स्टॉकहोल्डिंग की महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानते हुए, जी-33 इस मुद्दे को सौरेखित करने की आवश्यकता पर जोर देता है।
- जी-33, प्रस्ताव जॉब/एजी/229 के सह-प्रायोजक सदस्यों के साथ, खाद्य सुरक्षा उद्देश्यों के लिए सार्वजनिक स्टॉकहोल्डिंग पर स्थायी समाधान अपनाने की दिशा में सतत प्रयासों का आह्वान करता है।
- विकासशील देश के सदस्यों के विशेष सुरक्षा तंत्र (SSM) के अधिकार की पुष्टि करते हुए, जी-33 ने 14वें डब्ल्यूटीओ मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में इसे अपनाने का अनुरोध किया है।
- जी-33 एसएसएम मुद्दे के संबंध में अफ्रीकी समूह पर विचार करने और तकनीकी चर्चा में शामिल होने के लिए तैयार है।
- कृषि व्यापार वार्ता को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध, जी-33 का उद्देश्य कृषि समझौते में असंतुलन को दूर करना और LDC और NFIDC सहित विकासशील देशों की खाद्य सुरक्षा चुनौतियों का समाधान करना है।
- विकासशील देश के सदस्यों के लिए विशेष और विभेदक व्यवहार के संरक्षण और कृषि व्यापार वार्ता में गैर-व्यापार समस्याओं का उल्लेख करते हुए, जी-33 डब्ल्यूटीओ ढांचे की निष्पक्षता और समावेशिता के महत्व को रेखांकित करता है।

जी 33

- G 33, जिसे कृषि में विशेष उत्पादों के मित्र के रूप में भी जाना जाता है, वर्ष 2003 के कैनकन मंत्रिस्तरीय सम्मेलन से पहले गठित विकासशील देशों का एक गठबंधन है। इसका उद्देश्य डब्ल्यूटीओ वार्ता के भीतर कृषि संबंधी मुद्दों सहितविकासशील देशों के लिए रक्षात्मक उपायों और बाजार पहुंच पर ध्यान केंद्रित करना है।

- भारत के नेतृत्व में, यह समूह ऐसी नीतियों की सिफारिश करता है जो विकासशील देशों के कृषि क्षेत्रों को अनुचित प्रतिस्पर्धा से बचाती हैं, जैसे कि शिकारी डंपिंग और अमीर देशों में अधिक सब्सिडी वाली कृषि।
- G 33 के प्रमुख उद्देश्यों में से एक "विशेष उत्पाद" छूट लागू करना है, जिससे विकासशील देशों को कुछ कृषि वस्तुओं को टैरिफ कटौती से बचाने की अनुमति मिल सके। यह छूट कमजोर कृषक समुदायों के हितों की रक्षा और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अनिवार्य है।
- इसके अतिरिक्त, G33 अचानक आयात वृद्धि का सामना करने के लिए एक "विशेष सुरक्षा तंत्र" के कार्यान्वयन का समर्थन करता है जो घरेलू कृषि बाजारों की स्थिरता को खतरे में डाल सकता है। यह तंत्र विकासशील देशों को ऐसे व्यवधानों के प्रत्युत्तर में टैरिफ लगाने में सक्षम बनाएगा।
- इन उपायों के माध्यम से, G 33 विकासशील देशों को अपनी कृषि अर्थव्यवस्थाओं को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने, ग्रामीण आजीविका का समर्थन करने और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए सशक्त बनाना चाहता है।

घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण 2022-23

संदर्भ: *प्रति व्यक्ति मासिक घरेलू उपभोग व्यय में वर्ष 2011-12 से वर्ष 2022-23 तक दो गुना से अधिक वृद्धि देखी गई।*

समय के साथ भोजन व्यय में परिवर्तन:

- पिछले दो दशकों में, भारत में भोजन पर आवंटित व्यय का अनुपात धीरे-धीरे कम हुआ है।
- यह गिरावट ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में स्पष्ट रूप से परिलक्षित है।
- वर्ष 1999-2000 में ग्रामीण परिवारों ने अपने उपभोग व्यय का लगभग 59.46% भोजन पर खर्च किया, जो वर्ष 2022-23 में घटकर 46.38% हो गया।
- इसी तरह, शहरी परिवारों ने 1999-2000 में अपने व्यय का 48.06% भोजन पर आवंटित किया, जो 2022-23 में घटकर 39.17% हो गया।

खाद्य उपभोग पैटर्न में बदलाव:

- पिछले कुछ वर्षों में कुल खपत के प्रतिशत के रूप में अनाज पर व्यय में उल्लेखनीय कमी आई है।
- वर्ष 1999-2000 में ग्रामीण परिवारों ने अपनी कुल खपत का लगभग 22% अनाज पर खर्च किया, जो वर्ष 2022-23 में घटकर 4.91% हो गया।
- वर्ष 1999-2000 में शहरी परिवारों ने अपनी खपत का लगभग 12% अनाज के लिए व्यय किया था, जो वर्ष 2022-23 में घटकर 3.64% हो गया।
- इसके विपरीत, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में अंडे, मछली, मांस, फल और सब्जियों जैसी उच्च मूल्य और पोषण संबंधी वस्तुओं पर खर्च बढ़ गया है।

मुद्रास्फीति बास्केट समीक्षा की आवश्यकता:

- बदलते उपभोग पैटर्न को सटीक रूप से प्रतिबिंबित करने के लिए वर्तमान मुद्रास्फीति बास्केट में संशोधन की आवश्यकता पड़ सकती है।
- अनाज पर ग्रामीण परिवारों का खर्च CPI बास्केट में उन्हें दिए गए भार से काफी कम है।
- इसी प्रकार, ग्रामीण और शहरी दोनों परिवारों में भोजन पर व्यय का हिस्सा CPI बास्केट में उल्लिखित भार से भिन्न होता है।
- शहरी CPI में पान, तंबाकू, नशीले पदार्थ और मनोरंजन जैसी वस्तुओं को शामिल करने पर पुनर्विचार की आवश्यकता हो सकती है।

आरोपित बनाम गैर आरोपित MPCE आंकड़े:

- वर्ष 2022-23 के लिए HCE सर्वेक्षण; आरोपित और गैर- आरोपित MPCE दोनों प्रकार के डेटा उपलब्ध कराता है।
- आरोपित मूल्यों में सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों के माध्यम से प्राप्त सभी निःशुल्क वस्तुएँ शामिल हैं।
- इस हेतु निचले स्तर पर स्थित ग्रामीण परिवारों में अनुमानित मूल्यों को शामिल करने पर व्यय में सबसे कम वृद्धि देखी गई है, जो लाभ वितरण में असमानताओं को दर्शाता है।
- शहरी परिवारों के सबसे कम फ्रैक्टाइल्स आरोपित मूल्यों को शामिल करने पर उपभोग व्यय में उच्च प्रतिशत वृद्धि दर्शाते हैं।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

26 February, 2024

➢ **जीवन स्तर में क्षेत्रीय विषमताएं:**

- भारतीय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच मासिक उपभोग व्यय में भिन्नताएं मौजूद हैं।
- असम, छत्तीसगढ़ और झारखंड जैसे राज्य ग्रामीण-शहरी उपभोग व्यय में महत्वपूर्ण असमानता दर्शाते हैं।
- चंडीगढ़, सिक्किम और तेलंगाना शहरी-ग्रामीण व्यय पैटर्न में उल्लेखनीय अंतर दर्शाते हैं।
- लक्षद्वीप नकारात्मक अंतरों के साथ, ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में कम शहरी उपभोग व्यय का सुझाव देता है।
- अखिल भारतीय डेटा शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच उपभोग व्यय में पर्याप्त अंतर को उजागर करता है, जो जीवन स्तर में प्रचलित असमानताओं का संकेतक है।

➢ **घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण (HCES)**

- **HCES का कार्य:** HCES सरकारों, विश्लेषकों और शोधकर्ताओं के लिए आवश्यक घरेलू व्यय संबंधी आंकड़े एकत्र करने के लिए आवश्यक उपकरण तंत्र है।
- **डेटा स्कोप:** इसमें भोजन, आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और परिवहन जैसे प्रमुख क्षेत्रों में किये जाने वाले खर्च शामिल हैं।
- **समझ के लिए अंतर्दृष्टि:** HCES आर्थिक व्यवहार सहित सामान्य जीवन स्तर संबंधी अंतर्दृष्टि प्रदान करता है और आर्थिक प्रगति के साथ-साथ गरीबी में कमी के लिए नीति निर्माण के लिए मार्गदर्शन भी करता है।
- **HCES का उद्देश्य:** जीवन स्तर को मापना, नीति विकास को सूचित करना, आर्थिक विश्लेषण में सहायता करना, गरीबी और असमानता का आकलन करना, और मुद्रास्फीति और जीवनयापन की लागत की गणना में योगदान देना आदि।

क्रोमोसोमल असामान्यता या गुणसूत्रीय विपथन

संदर्भ: हाल ही में शोधकर्ताओं ने लगभग 5,500 वर्ष पुराने प्रागैतिहासिक कंकाल अवशेषों में पहचानी गई गुणसूत्र संबंधी असामान्यताओं का दस्तावेजीकरण किया है।

➢ **क्रोमोसोमल विपथन की परिभाषा:**

- क्रोमोसोमल विपथन प्रक्रम में गुणसूत्र संरचना या संख्या में परिवर्तन होते हैं, जिनमें विलोपन, दोहराव, व्युत्क्रम इत्यादि शामिल हैं।
- क्रोमोसोमल विपथन का सबसे सामान्य प्रकार ऐनुप्लोइडीज़ हैं, जिनमें गुणसूत्रों की संख्या असामान्य होती है।

➢ **क्रोमोसोमल विपथन के प्रकार:**

- संख्यात्मक विपथन (एन्यूप्लोइडीज़) में मोनोसोमीज़ (एक गुणसूत्र का विलोपन) और ट्राइसोमीज़ (अतिरिक्त गुणसूत्र) शामिल होते हैं।
- संरचनात्मक विपथन में विलोपन, दोहराव, व्युत्क्रम और स्थानान्तरण शामिल होते हैं।

➢ **सामान्य गुणसूत्र संबंधी विकार:**

- ट्राइसॉमी 21 (डाउन सिंड्रोम), ट्राइसॉमी 18 (एडवर्ड्स सिंड्रोम), और ट्राइसॉमी 13 (पटाऊ सिंड्रोम) कुछ प्रचलित क्रोमोसोमल (गुणसूत्र संबंधी) विकार हैं।
- इसके अतिरिक्त क्लाइनफेल्टर सिंड्रोम, टर्नर सिंड्रोम, XYY सिंड्रोम और XXX सिंड्रोम जैसे यौन सम्बन्धी सामान्य क्रोमोसोमल विकार भी होते हैं।

➢ **गुणसूत्रीय विपथन के कारण:**

- कोशिका विभाजन के दौरान होने वाली त्रुटियाँ; विशेष रूप से अर्धसूत्रीविभाजन के दौरान, गुणसूत्र विपथन में अहम् योगदान करती हैं।
- इसके अलावा जोखिम कारकों में उन्नत मातृ आयु और हानिकारक पदार्थों का संपर्क भी गुणसूत्रीय विपथन के मुख्य कारण हैं।

➢ **गुणसूत्रीय विपथन का निदान:**

- अल्ट्रासाउंड और रक्त परीक्षण के माध्यम से प्रसव पूर्व जांच से गुणसूत्रीय विपथन की पहचान करने में सहायता मिलती है।
- साथ ही साथ प्रसवोत्तर निदान में कैरियोटाइपिंग और सीटू हाइब्रिडाइजेशन (फिश) में प्रतिदीप्ति जैसी तकनीकें शामिल हैं।

➢ **जोखिम न्यूनीकरण रणनीतियाँ:**

- गर्भावस्था से पहले और गर्भावस्था के दौरान स्वस्थ जीवनशैली बनाए रखने से क्रोमोसोमल विपथन के जोखिम को कम करने में मदद मिलती है।
- गुणसूत्रीय विकारों के इतिहास वाले परिवारों के लिए आनुवंशिक परामर्श की सिफारिश की जाती है।
- इसका शीघ्र निदान प्रभावित व्यक्तियों और परिवारों के लिए सूचित निर्णय लेने और उचित चिकित्सा देखभाल की अनुमति देता है।

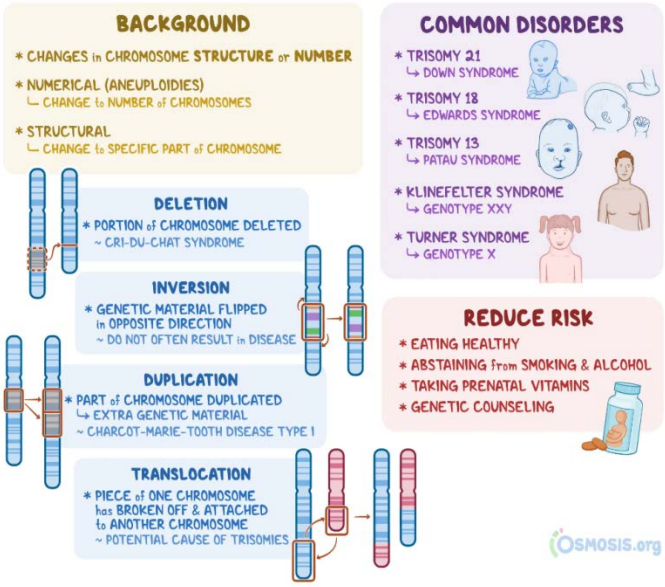

NEWS IN BETWEEN THE LINES

अट्टुकल पोंगल उत्सव

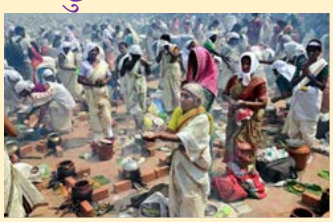

हाल ही में भारत के केरल में अट्टुकल पोंगल उत्सव के दौरान, हज़ारों महिलाओं ने प्रार्थना की और देवी अट्टुकल भगवती के सम्मान में धुएँ से भरे बर्तनों में खाना पकाया।

अट्टुकल पोंगल उत्सव के बारे में:

- अट्टुकल पोंगल, केरल के तिरुवनंतपुरम में स्थित अट्टुकल भगवती मंदिर में आयोजित होने वाला 10 दिवसीय धार्मिक उत्सव है।
- यह दुनिया में महिलाओं का सबसे बड़ा समागम है और इसे महिलाओं का सबरीमाला के नाम से जाना जाता है।
- प्रसाद चावल, गुड़, कसा हुआ नारियल, घी और केले से बनी मीठी खीर है, जिसे परंपरागत रूप से मिट्टी के बर्तनों में बनाया जाता है।
- अट्टुकल भगवती को तमिल महाकाव्य **"शिलाप्पधरम"** की नायिका कन्नगी का दिव्य अवतार माना जाता है।
- कथा के अनुसार, अपने पति कोवानलन के साथ किए गए अन्याय का बदला लेने के लिए मधुरा को नष्ट करने के बाद, कन्नगी केरल पहुंची और कोडुंगल्लूर जाते समय अट्टुकल में विश्राम किया।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

26 February, 2024

द्वारकाधीश मंदिर

हाल ही में, भारत के प्रधान मंत्री ने गुजरात के बेयट द्वारका में द्वारकाधीश मंदिर में दर्शन और पूजा की।

द्वारकाधीश मंदिर के बारे में:

- द्वारकाधीश मंदिर, जिसे जगत मंदिर के नाम से भी जाना जाता है गुजरात के द्वारका में 13वीं शताब्दी का एक मंदिर है जो भगवान कृष्ण को समर्पित है।
- यह गोमती नदी के तट पर उस बिंदु पर स्थित है जहां यह अरब सागर से मिलती है।
- यह चार धामों में से एक है (अन्य हैं रामेश्वरम, बद्रीनाथ और पुरी) जो भारत में चार सबसे महत्वपूर्ण वैष्णव मंदिर हैं।
- यह मंदिर चालुक्य और सोलंकी वास्तुकला शैलियों का मिश्रण है।
- मंदिर का निर्माण मूल रूप से 400 ईसा पूर्व में भगवान कृष्ण के पोते वज्रनाभ द्वारा किया गया था।
- यह 170 फीट ऊंची पांच मंजिला चूना पत्थर की संरचना है, जिसमें 72 खंभे हैं।

सुदर्शन सेतु

हाल ही में, भारत के प्रधान मंत्री ने गुजरात में देश के सबसे लंबे केबल-आधारित पुल, 'सुदर्शन सेतु' का उद्घाटन किया।

सुदर्शन सेतु के बारे में:

- सुदर्शन सेतु गुजरात में स्थित है जो ओखा मुख्य भूमि और द्वारका में बेयट द्वाटका द्वीप को जोड़ता है।
- यह देश का सबसे लंबा सिग्नेचर स्टे ब्रिज है जो लगभग 2.32 किमी तक फैला है।
- सुदर्शन सेतु सिर्फ एक पुल नहीं है बल्कि अपने अभिनव डिजाइन और निर्माण के कारण इसे इंजीनियरिंग का चमत्कार भी कहा जाता है।
- यह पुल एक पर्यटक आकर्षण के रूप में कार्य करता है जो आसपास के तटीय क्षेत्रों का मनोरम दृश्य प्रस्तुत करता है।
- विशेष रूप से गुजरात के तटीय क्षेत्र में माल और कर्मियों के सुगम परिवहन की सुविधा प्रदान करके यह रणनीतिक महत्व भी रखता है।

पर्पल फेस्टिवल

भारत के राष्ट्रपति 26 फरवरी को राष्ट्रपति भवन के अमृत उद्यान में 'पर्पल फेस्ट' का उद्घाटन करेंगे।

पर्पल फेस्टिवल के बारे में:

- पर्पल फेस्ट एक कार्यक्रम है जिसका आयोजन दीनदयाल उपाध्याय नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर पर्सन्स विद फिजिकल डिसेबिलिटीज द्वारा किया जाएगा।
- इस महोत्सव का उद्देश्य विभिन्न विकलांगताओं और लोगों के जीवन पर उनके प्रभाव के बारे में जागरूकता बढ़ाना है और साथ ही विकलांगता के इर्द-गिर्द घूमती गलतफहमियों, पूर्वाग्रहों और रूढ़ियों को चुनौती देना तथा समाज में विकलांग व्यक्तियों की समझ, स्वीकृति एवं समावेशन को बढ़ावा देना है।
- 'पर्पल फेस्ट' की प्रमुख गतिविधियां अमृत उद्यान विजिट, अपनी विकलांगताओं को जानें, पर्पल कैफे, पर्पल कैलीडोस्कोप, पर्पल लाइव एक्सपीरियंस जोन और पर्पल स्पोर्ट्स आदि होंगी।
- सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के तहत विकलांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण विभाग 8-13 जनवरी तक गोवा में 'अंतर्राष्ट्रीय पर्पल फेस्ट, 2024' की सफलता के बाद पर्पल फेस्ट का आयोजन कर रहा है।

हीमोफीलिया

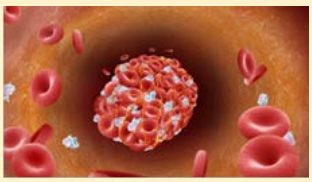

हाल ही में, वैज्ञानिकों की एक टीम ने ऐसे नैनोकणों का निर्माण किया है जो हीमोफीलिया का इलाज कर सकते हैं।

हीमोफीलिया के बारे में:

- हीमोफीलिया एक आनुवंशिक विकार है जो शरीर में रक्त का थक्का जमने से रोकता है।
- यह उन जीनों में से एक में उत्परिवर्तन के कारण होता है जो क्लॉटिंग कारक प्रोटीन का उत्पादन करते हैं।
- ये जीन X गुणसूत्र पर स्थित होते हैं।
- हीमोफीलिया तीन प्रकार के होते हैं: ए, बी और सी प्रत्येक में विशिष्ट क्लॉटिंग कारक की कमी होती है।
- हीमोफीलिया के लक्षणों में चोट लगना, जोड़ों में दर्द, अस्पष्टीकृत रक्तस्राव, मूत्र या मल में रक्त, लंबे समय तक नाक से खून बहना, घाव से लगातार खून बहना, मसूड़ों से खून आना और त्वचा पर आसानी से चोट लगना शामिल हैं।

ब्लैनेट्स

ब्लैनेट्स के बारे में:

- ब्लैनेट एक काल्पनिक ग्रह है जो ब्लैक होल की परिक्रमा करता है।
- ब्लैनेट अन्य ग्रहों के समान हैं लेकिन वे किसी तारे या भूरे बौने के बजाय एक ब्लैक होल की परिक्रमा करते हैं।
- उनके पास अपने स्वयं के गुरुत्वाकर्षण द्वारा गोल होने के लिए पर्याप्त द्रव्यमान है लेकिन थर्मोन्यूक्लियर संलयन शुरू करने और तारे बनने के लिए पर्याप्त नहीं है।
- ब्लैनेट क्रिस्टोफर नोलन की 2014 की फिल्म इंटरस्टेलर में दिखाए गए ग्रह हैं।
- जापान के वैज्ञानिकों ने 2019 में सिद्धांत दिया कि ग्रह सुपरमैसिव ब्लैक होल के पास विशाल धूल और गैस के बादलों में बन सकते हैं।
- ऐसा माना जाता है कि ग्रहों का निर्माण युवा तारे के चारों ओर घूमती धूल और गैस से होता है, जो सुपरमैसिव ब्लैक होल के पास की प्रक्रिया के समान है।
- ब्लैनेट्स के पृथ्वी से लगभग 3,000 गुना बड़े होने की उम्मीद है।
- ब्लैक होल गैस और धूल की विशाल डिस्क से घिरे होते हैं जिन्हें वे चारों ओर घुमाते हैं, अंदर खींचते हैं और गर्म करते हैं।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

सुर्खियों में स्थल

अफ़ग़ानिस्तान

हाल ही में, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने घोषणा की है कि जनवरी 2024 की शुरुआत से अफगानिस्तान में 2.86 लाख से अधिक लोग सांस की बीमारी से पीड़ित हैं।

अफगानिस्तान (राजधानी: काबुल)

अवस्थिति: अफगानिस्तान, जिसे आधिकारिक तौर पर अफगानिस्तान इस्लामी अमीरात के रूप में जाना जाता है, दक्षिण मध्य एशिया में स्थित एक भुआबद्ध देश है।

राजनीतिक सीमाएँ: अफगानिस्तान की सीमा ईरान (पश्चिम), पाकिस्तान (दक्षिण और पूर्व), तुर्कमेनिस्तान, उज्बेकिस्तान और ताजिकिस्तान (उत्तर) और चीन (उत्तर पूर्व) से लगती है।

भौतिक विशेषताएं:

- अफगानिस्तान का सबसे ऊँचा स्थल नोशाक शिखर है।
- अफगानिस्तान की प्रमुख नदियों में अमु दरिया, हेलमंद, काबुल, हरिरुद और पंज नदी शामिल हैं।
- अफगानिस्तान अपने महत्वपूर्ण खनिज भंडार के लिए जाना जाता है, जिसमें तांबा, लौह अयस्क, सोना, लिथियम और दुर्लभ पृथ्वी तत्व शामिल हैं।
- अफगानिस्तान रेशम मार्ग और प्रवासन का प्राचीन केंद्र बिंदु था।

POINTS TO PONDER

- किस संस्थान ने भारत की सबसे बड़ी ड्रोन पायलट प्रशिक्षण सुविधा शुरू की? - **आईआईटी गुवाहाटी**
- किस मंत्रालय द्वारा लॉन्च किया गया NaViGate भारत सरकार से संबंधित वीडियो और पहल तक पहुंच को सरल बनाता है? - **सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय**
- किरू हाइडल परियोजना किस राज्य या केंद्र शासित प्रदेश में स्थित है? - **जम्मू एवं कश्मीर**
- देश के सबसे लंबे केबल-आधारित पुल, 'सुदर्शन सेतु' का उद्घाटन कहाँ किया गया ? - **गुजरात**
- अट्टुकल पोंगल उत्सव कहाँ मनाया जाता है? - **केरल**